सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 332 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 9 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मेरे देश में लोग पहले जेल जाते हैं और फिर राष्ट्रपति बन जाते हैं।
-नेल्सन मंडेला

विजय हजारे ट्रॉफी में भी सूर्यकुमार यादव... 7 | मध्य प्रदेश में पानी का रंग बदरंग... 3 | भाजपा के झूठे प्रचार में न फसे... 2

चुनाव से पहले

विपक्ष की सुनियोजित राजनीतिक घेराबंदी!

आईपैक के बहाने ममता को अस्थिर करने की कोशिश

» लालू यादव पर आरोप तय, तेजस्वी मीसा भी जद में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे देश चुनावी साल की ओर बढ़ रहा है वैसे वैसे विपक्ष के बड़े चेहरों के इर्द गिर्द कानूनी प्रशासनिक और नैरेटिव का घेरा कसता जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में आईपैक के बहाने ममता बनर्जी की चुनावी मशीनरी पर सवाल उठाए जा रहे हैं तो बिहार में अदालत के फैसले के जरिये लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और मीसा भारती एक बार फिर कठघरे में खड़े कर दिए गए हैं। सवाल अब सिर्फ कानून का नहीं रहा। सवाल टाइमिंग का है इरादों का है और राजनीति का है।

ममता बनर्जी से सवाल

भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा है कि एक प्राइवेट कंपनी पर रेड हो रही है और एक जगह नहीं बल्कि आठ से दस जगहों पर रेड हो रही है। उसे बचाने के लिए ममता बनर्जी खुद क्यों उतरी। उन्होंने सवाल पूछा है कि जिनके ऊपर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी है वही कंपनी को बचाने के लिए खुद उतर गई।

टारगेट पर ममता बनर्जी

उधर बंगाल में तस्वीर और भी साफ दिखती है। ममता बनर्जी को चुनावी मैदान में हराने में असफल रही भाजपा अब उनकी रणनीति उनके सलाहकार और उनके सिस्टम पर सवाल खड़े कर रही है। आईपैक को निशाना बनाकर यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि ममता की जीत जनादेश नहीं प्रबंधन की देन थी। यह सीधा सीधा लोकतांत्रिक फैसले को कमजोर करने की कोशिश है।

ईडी पहुंची कोर्ट

ईडी ने अदालत का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया कि उसकी जांच में जानबूझकर रुकावट पैदा की गई ताकि काम प्रभावित हो। ईडी की ओर से दायर याचिका में मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई है। एजेंसी ने अदालत में आवेदन दाखिल कर इस संबंध में केस दर्ज करने की अनुमति मांगी। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सुनवाई की मांग भी की गई। इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस शुभ्रा घोष ने ईडी को मामला दर्ज करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने इस याचिका पर दोपहर 2:30 बजे सुनवाई तय की है। ईडी के वकील ने अदालत को बताया कि गुरुवार को की गई जांच के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कई अहम दस्तावेज और जानकारियां अपने साथ ले गयी जिससे जांच में प्रत्यक्ष रूप से बाधा उत्पन्न हुई। यह कार्रवाई जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली है और इसे गंभीरता से देखा जाना चाहिए।

अलग-अलग नहीं हैं दोनों घटनाएं

इन दोनों घटनाओं को अलग अलग देखने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह एक ही राजनीतिक स्क्रिप्ट के दो दृश्य हैं जहां चुनाव से पहले विपक्ष के प्रभावशाली चेहरों को या तो अदालतों में उलझाया जाता है या जांच और संदेह के घेरे में रखा जाता है। ममता बनर्जी और लालू-तेजस्वी की राजनीति भले अलग राज्यों में हो लेकिन चुनौती एक ही है और वह है केंद्र की सत्ता को खुली चुनौती। यह संयोग नहीं हो सकता कि जैसे ही विपक्ष संगठित होने की कोशिश करता है वैसे ही उसके स्तंभों पर दबाव बढ़ दिया जाता है। सवाल अब यह नहीं है कि जांच होनी चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि हर जांच चुनाव से पहले ही क्यों तेज हो जाती है? यहीं से यह कहानी सिर्फ बंगाल या बिहार की नहीं रह जाती यह कहानी बन जाती है चुनाव से पहले विपक्ष की सुनियोजित राजनीतिक घेराबंदी की।

छापे के विरोध में गृहमंत्री के आफिस पर प्रर्दशन

तृणमूल कांग्रेस के कई सांसदों ने आज राजधानी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रर्दशन के दौरान उन्हें हिरासत में ले लिया गया। आज का विरोध प्रर्दशन ईडी द्वारा कोलकाता में राजनीतिक परामर्शदाता फर्म आई-पैक के दफ्तर और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी के विरोध में किया गया था। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, शताब्दी रॉय, महुआ मोइत्रा और कीर्ति आजाद समेत कई टीएमसी सांसदों ने अमित शाह के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन वहां से हटा दिया। वीडियो में पुलिसकर्मी डेरेक ओ ब्रायन और महुआ मोइत्रा को जबरन उठाकर वहां से ले जाते हुए दिखे।

लालू परिवार पर कसता शिकंजा

बिहार में लैंड फार जाब मामले में जहां लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर आरोप तय किए गए हैं वहीं 52 अन्य आरोपियों को बरी किया जाना अपने आप में यह संकेत देता है कि मामला उतना एकतरफा नहीं है जितना राजनीतिक शोर में बताया जा रहा है। तेजस्वी यादव जो आज भाजपा के लिए बिहार में सबसे बड़ा चुनावी खतरा माने जाते हैं अचानक ऐसे वक्त में दबाव में हैं जब वह खुलकर मंडल बनाम कमंडल की राजनीति में आक्रामक भूमिका निभा रहे हैं। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई के जज विशाल गोगने ने अपना फैसला सुनाया। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि आरोप है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपनी पत्नी और बच्चों के नाम अचल संपत्तियां जुटाईं। अदालत के अनुसार इस पूरे मामले में अन्य आरोपियों ने भी आपराधिक षड्यंत्र में सक्रिय रूप से सहयोग किया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन लेने का एक तरह का विनिमय सिस्टम चल रहा था जिसके तहत कई लोगों को रेलवे में नौकरी दी गई और बदले में उनके या उनके परिजनों की जमीन ली गई। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार आपराधिक षड्यंत्र का हिस्सा थे जबकि अन्य आरोपियों ने इस षड्यंत्र को अंजाम देने में मदद की।

भाजपा के झूठे प्रचार में न फंसे जनता : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- उत्तर प्रदेश में फर्जी वोट बनाने की कोशिश में लगी हुई है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश में फर्जी वोट बनाने की कोशिश में लगी हुई है। यह आरोप विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से 28 लाख नाम हटाए जाने के बाद लगाया गया है। यादव ने कहा कि जनता को अपने वोट को लेकर आश्वस्त रहना चाहिए और भाजपा के झूठे प्रचार में नहीं फंसना चाहिए।

उन्होंने जनता से अपने नाम की जांच करने का आग्रह किया ताकि उनके वोट प्रभावित न हों। श्री यादव ने कहा कि मैं जनता से अपील करता हूं कि जब वे मतदान केंद्र पर पहुंचें तो मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांच लें। पूरी भाजपा फर्जी वोट डालने के मिशन पर है, क्योंकि इतने सारे वोट काटे गए हैं... मुख्यमंत्री खुद अधिकारियों को वोटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दे रहे ।

एसआईआर से परेशान हैं भाजपा नेता

पहली बार हम देख रहे हैं कि भाजपा नेता उत्तर प्रदेश में एसआईआर से परेशान हैं। भाजपा नेता कह रहे हैं कि मतदाताओं की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए और प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा फर्जी वोट डालती है, तो समाजवादी पार्टी के लोग, जो पीडीए प्रहरी का समर्थन करते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का बीएमसी चुनाव प्रचार का प्रस्तावित दौरा रद्द

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बीएमसी चुनाव प्रचार का प्रस्तावित दौरा रद्द हो गया है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। अखिलेश को बीते दिनों लिखे गए पत्र में पत्र में रईस शेख ने आरोप लगाया है कि अबू आज़मी ने भिवंडी और मुंबई नगर निगम चुनावों में मनमाने ढंग से टिकट वितरण किया है। शेख का दावा है कि आजमी पार्टी कार्यकर्ताओं और संभावित उम्मीदवारों के हितों की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं। विधायक के अनुसार, इस कुप्रबंधन से पार्टी सदस्यों में असंतोष पैदा हो रहा है और इन महत्वपूर्ण चुनावों में पार्टी की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं। शेख आगे कहते हैं कि आजमी की सार्वजनिक टिप्पणियों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अबु आजमी बनाम रईस शेख ने बढ़ाई सपा की मुश्किलें

समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक रईस शेख महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आज़मी के बीच राजनीतिक घमासान देखने को मिल रहा है। 3 जनवरी की बात है जब रईस शेख ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अबू आज़मी की गतिविधियों पर गंभीर चिंता जताई थी। शेख ने पत्र में आज़मी पर जानबूझकर उन्हें परेशान करने और पार्टी में भारी व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया था।

चुनाव नतीजों के बाद होगा फैसला

पार्टी चुनाव नतीजों के बाद दोनों के बीच की इस खींचतान पर फैसला ले सकती है। समाजवादी पार्टी मुंबई की खास सीटों के अलावा भिवंडी और आसपास के कुछ इलाकों में मजबूत मानी जाती है। पिछले चुनाव में सपा के मुंबई में सात नगरसेवक थे। जिनमें से एक भायखला और छह नगरसेवक गोवंडी से जीते थे। सपा के भायखला के प्रभाग से रईस शेख नगरसेवक रह चुके हैं। उन्होंने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए यहां से टिकट मांगा था। लेकिन पार्टी ने टिकट नहीं दिया। जिसके बाद उन्होंने अपने करीबी वकार को कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा दिया है।

ओड़िशा की जनता व जिला न्यायालयों की सुरक्षा पर ध्यान दे सरकार : नवीन

» पूर्व मुख्यमंत्री ने बम की धमकियों पर चिंता व्यक्त की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष और ओड़िशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के कई जिला न्यायालयों में मिली बम धमकियों पर चिंता व्यक्त करते हुए इन धमकियों की गहन जांच की मांग की। एक्स पर एक पोस्ट में पटनायक ने न्यायिक संस्थानों के साथ-साथ जनता की सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर गहरी चिंता हुई है कि संबलपुर, कटक और देवगढ़ के जिला न्यायालयों में ईमेल के माध्यम से बम धमाकों की धमकी मिली है। न्यायाधीशों, वकीलों, वादियों, न्यायालय कर्मचारियों और आम जनता सहित हमारे न्यायिक संस्थानों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपने पोस्ट में आगे उन्होंने मामले की उचित जांच की अपील करते हुए कहा कि जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाने चाहिए। पटनायक ने लिखा, मैं संबंधित अधिकारियों से आग्रह करता हूं कि वे प्राप्त धमकियों की त्वरित, गहन और उचित जांच करें। धमकियों के स्रोत और इसमें शामिल लोगों की तुरंत पहचान करें और जांच के निष्कर्ष को सार्वजनिक करें। अपने पोस्ट के समापन में, पटनायक ने लोगों को गलत सूचना फैलाने से बचने की सलाह दी और सुरक्षा कर्मियों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में मैं आम जनता से शांत रहने, अफवाहें न फैलाने और सुरक्षा एजेंसियों को पूरा सहयोग देने का आग्रह करता हूं। इससे पहले दिन में ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) योगेश बहादुर खुराना ने राज्य की कई अदालतों में एक अज्ञात ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिलने की जानकारी दी और बताया कि सभी संबंधित स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। डीजीपी ने बताया कि पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है।

ब्राह्मण समाज के लोगों का हो रहा फर्जी एनकाउंटर : अजय राय

» बोले- भाजपा सरकार में 1700 से अधिक की हत्या हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने योगी सरकार पर तीखा हमला किया है। अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार में ब्राह्मण समाज के लोगों के फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। करीब 10 साल में 1700 से अधिक ब्राह्मणों की हत्या की गई है। वह बृहस्पितवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

लखनऊ के ठाकुरगंज घास मंडी चौराहे पर स्थित बाबा गोमती दास स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर ब्राह्मण समाज की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सत्ता में ब्राह्मण समाज के लोगों को मुख्यमंत्री बनाया जाता था, लेकिन भाजपा सिर्फ समाज का वोट ले रही है। मौके पर मौजूद लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

अकाली दल-कांग्रेस और बीजेपी मिलकर भी मुझे रोक नहीं पाएंगे : मान

» पंजाब सीएम ने नए जिला परिषद-ब्लॉक समिति सदस्यों को किया संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नए चुनें गए ज़िला परिषद और ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है जो सिर्फ काम के नाम पर वोट माँगती है। अकाली दल-कांग्रेस और बीजेपी एक साथ है, ये भगवंत मान को रोकना चाहते हैं लेकिन रोक नहीं पायेंगे। आपमें से ही कई लोग विधानसभा तक भी जाएँगे।

आम आदमी पार्टी एक अनुशासित पार्टी है। दूसरी पार्टी वालों को तो माघी मेले में भाषण देने के लिए भी लोग नहीं मिल रहे हैं। बीजेपी, कांग्रेस और अकाली दल को वोट मत दे देना, यह पंजाब को बर्बाद कर देंगे। पिछली सरकारों ने पंजाब को नशे के जाल में फंसा दिया था। हमारी सरकार ने राज्य को नशा मुक्त बनाने का अभियान चलाया और बड़े-बड़े नशा तस्करों को जेल में डाल दिया है। मेरी जनता से अपील है कि नशा तस्करों को संरक्षण देने वाली पार्टियों को वोट मत देना, यह पंजाब को फिर से बर्बाद कर देंगे। अगर इन लोगों को वोट दे दिया तो आपको फ्री बिजली मिलना बंद हो जाएगी, मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल बंद हो जायेंगे। युवाओं को नौकरियां मिलना बंद हो जाएंगी।

जनता जिसे चाहेगी पार्टी उसे टिकट देगी : अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं लुधियाना में एक कार्यक्र म को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है। केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिलता है। केजरीवाल जनता के चहेते उम्मीदवार को ही टिकट देंगे। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन-केंद्रित शासन के लिए किया गया था। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने पार्टी से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की, जिसे उन्होंने आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर के नाम के दुरुपयोग से जुड़ा एक शर्मनाक कृत्य बताया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

शहरों में संगठन को मजबूत बनाने में जुटी रालोद

» राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा को अवध व मध्य क्षेत्र की मिली बड़ी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोकदल के केंद्रीय कार्यालय में अर्बन बॉडी की बैठक राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण निर्देशों व निर्णयों के साथ संपन्न हुई जिसमें नगरीय निकाय समिति के सभी प्रभारी सदस्य सम्मिलित हुए अनुपम मिश्रा (राष्ट्रीय सचिव) नूर सलीम राणा पूर्व विधायक,इंद्रजीत सिंह टीटू जावेद सलीम तथा महेश जाटव उपस्थित रहे, बैठक में पार्टी के शहरी ढांचे को कैसे और अधिक प्रभावी एवं सशक्त किया जाए तथा जुझारू कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर संगठन में महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी देकर संगठन को

और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जाए जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श हुआ।

समिति के सभी प्रभारी सदस्यों के मध्य उत्तर प्रदेश में शहरी संगठन को मज़बूत करने हेतु तथा नई बनी रणनीति के प्रभावी रूप से क्रियान्वयन हेतु कार्यक्षेत्र का बँटवारा भी किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा को अवध तथा मध्य क्षेत्र में शहरी संगठन को सशक्त करने की, विधायक नूर सलीम राणा को मुरादाबाद-सहारनपुर मंडल, इंद्रजीत सिंह मेरठ मंडल,जावेद सलीम पूर्वी क्षेत्र तथा महज़ जाटव आगरा मंडल की ज़िम्मेदारी सौंपी गई । इन सभी प्रभारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र के जनपदों का दौरा कर ज़िला व नगर अध्यक्ष के साथ समीक्षा करनी होगी और यही समीक्षा रिपोर्ट 15 दिनों में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय को सौंपनी होगी साथ ही अपने व्यवहारिक अनुभव भी साझा करने होंगे। राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने बताया कि बैठक सार्थक व प्रभावी रही है इससे पार्टी का ज़मीनी स्तर का ढांचा मज़बूत होगा और जो पदाधिकारी शिथिल है उनमें भी नवीन ऊर्जा का संचार होगा,आने वाले समय में हम ज़मीनी स्तर पर एक मज़बूत संगठन का निर्माण करने में सक्षम होंगे।

मध्य प्रदेश में पानी का रंग बदरंग सरकार पर विपक्ष का तंज

सफाई में नंबर-एक या भ्रष्टाचार में कांग्रेस व नेता प्रतिपक्ष ने आड़े हाथों लिया

» भाजपा सांसद के बोल पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मप्र और विवादों का जैसे चोली-दामन का साथ है। पहले व्यापम के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ और उसमें कई लोगों की जान गई। उसके बाद कप सिरप पीने से कई बच्चे असमय ही काल के गाल में चले गए। अब भारत का सबसे साफ सुथरा शहर होने का तमगा हासिल करने वाले इंदौर शहर में दूषित पानी पीने से कई लोगा जान से हाथ धो बैठे। अब इंदौर अपराध में भी आगे हो गया है।

सबसे बड़ी बात ये है नैतिकता का दम भरने वाली भाजपा के सांसद व नेताओं पर ही आरोप लग रहे हैं। उधर सब मामलों में सियासी कोहराम भी मच गया है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर हमला किया है। उसने इन घटनाओं को सरकारी हत्या का नाम दिया है। अब कांग्रेस इस पर बड़ा आंदोलन करने की योजना बना रही है। वहीं नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने किया इंदौर की तीन बस्तियों में वॉटर ऑडिट किया और बोले-कई इलाकों में गंदा पानी आ रहा है। सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। दौरे के बाद सिंघार ने कहा कि इंदौर में जहरीले पानी का सच उजागर हुआ है। अफसर मामला दबाने में जुटे है, लेकिन मैंने इंदौर में खुद वाटर ऑडिट शुरू किया है, जिसमें दूषित पानी की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई और इलाके भागीरथपुरा बनने की कगार पर है।

बाणगंगा सबसे आगे चंदननगर दूसरे नंबर पर

आंकड़ों के अनुसार बाणगंगा थाना में सबसे अधिक 1749 केस दर्ज हुए हैं। इसके बाद चंदननगर थाना में 1663 मामले सामने आए। तीसरे स्थान पर लसूड़िया थाना रहा, जहां 1640 केस दर्ज किए गए। चौथे नंबर पर भंवरकुआं थाना रहा, जहां 1370 अपराध दर्ज हुए। इसके अलावा विजयनगर थाना में 1020 और खजराना थाना में 1041 केस दर्ज हुए। शहर के कुल अपराधों में से करीब 30 प्रतिशत मामले इन पांच से छह थानों में ही दर्ज हुए हैं।

इंदौर में जहरीले पानी का सच उजागर : उमंग सिंघार

मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर की तीन बस्तियों का दौरा कर वहां की पेयजल व्यवस्था देखी। इसके बाद उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा ही नहीं, शहर के कई इलाकों में दूषित जल की सप्लाई हो रही है। सिंघार मदीना नगर, खजराना, भूरी टेकरी, बर्फानी धाम कॉलोनी में पहुंचे थे और लोगों से सप्लाई को लेकर बातें की। उन्होंने दूषित पानी के सेंपल भी लिए है। सिंघार ने कहा कि इंदौर में जहरीले पानी का सच उजागर हुआ है। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग मामला दबाने में जुटा है, लेकिन मैंने इंदौर में खुद वाटर ऑडिट शुरू किया है, जिसमें दूषित पानी की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई और इलाके भागीरथपुरा बनने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि यह केवल भागीरथपुरा की त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरा इंदौर दूषित पानी पीने को मजबूर है। जो काम प्रशासन को करना चाहिए था, वह आज विपक्ष को सड़कों पर उतरकर करना पड़ रहा है। मदीना नगर में रहवासियों ने उन्हें बताया कि नए नल कनेक्शन के नाम पर आठ हजार रुपये तक खर्च हो रहे है, लेकिन न तो पानी ज्यादा आता और न ही साफ पानी मिलता है। भुगतान न करने पर कनेक्शन काटने की धमकी दी जाती है। खजराना के रहवासियों ने बताया कि सप्लाई के समय पानी में बदबू आती है। पुरानी लाइनें ठीक नहीं की जा रही है। कई जगह नर्मदा और ड्रेनेज लाइन आसपास है। दूषित सप्लाई की यही सबसे बड़ी वजह है। सिंघार ने कहा कि वे पानी की जांच कराएंगे और सरकार की लापरवाही को उजागर करेंगे।

नए थानों के प्रस्ताव अब भी कागजों में

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस ने कुछ साल पहले तीन नए थानों के गठन का प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत बाणगंगा थाना क्षेत्र से सुपर कॉरिडोर थाना, लसूड़िया से महालक्ष्मीनगर थाना और भंवरकुआं से पालदा थाना बनाने का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा गया था, लेकिन यह योजना अब तक कागजों में ही सीमित है। हाल ही में चंदननगर थाना अपराध में दूसरे स्थान पर आने के बाद पुलिस कमिश्नर ने यहां भी नया थाना बनाने का प्रस्ताव तैयार करने की बात कही है। अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस ने हाल ही में लसूड़िया और विजयनगर थानों में दो टीआई का प्रयोग शुरू किया है। यहां दो महिला टीआई को टू आईसी के रूप में पदस्थ किया गया है, लेकिन इसके बावजूद अपराधों में कोई खास कमी नहीं आई है। अन्य थानों में भी यह प्रयोग लागू करने की तैयारी है।

मंत्री विजयवर्गीय का क्षेत्र अपराध में भी नंबर वन रहा

इंदौर शहर में साल 2025 अपराध के आंकड़ों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पहले जहां लसूड़िया थाना अपराध के मामलों में दूसरे नंबर पर रहता था, वहीं अब उसे पीछे छोड़ते हुए चंदननगर थाना दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शहर में सबसे अधिक अपराध दर्ज करने वाला थाना बाणगंगा पहले की तरह नंबर वन बना हुआ है, जबकि लसूड़िया तीसरे स्थान पर खिसक गया है। बीते एक साल में शहरभर में 33 हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या पिछले वर्षों की तुलना में करीब पांच हजार अधिक है, जो शहर में बढ़ते अपराध की ओर इशारा करती है। हत्या, हत्या के प्रयास और बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

सराफा थाना सबसे सुरक्षित

शहर में सबसे कम अपराध वाले थानों में सराफा थाना शामिल है। यहां इस साल केवल 155 केस दर्ज हुए हैं। इसके अलावा छत्रीपुरा, सदर बाजार और पंढरीनाथ जैसे संवेदनशील थानों में भी अपराध की संख्या कम रही है। वहीं एमजी रोड, कोतवाली और छोटी ग्वालटोली जैसे व्यापारिक क्षेत्रों वाले थानों में भी अपेक्षाकृत कम अपराध दर्ज हुए हैं।

कांग्रेस का चुनावी बिगुल, नेताओं को सौंपी जिम्मेदारी

» शकील अहमद खान और कन्हैया कुमार को मिली कमान

» बंगाल और केरल में चुनाव पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के नेताओं को कांग्रेस देश के अन्य राज्यां में बड़ी जिम्मेदारी देगी। पश्चिम बंगाल और केरल में चुनाव होने हैं, इसको लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इस चुनाव को देखते हुए बिहार के दो कद्दावर नेताओं शकील अहमद खान और कन्हैया कुमार को आगे किया गया है।

आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान ने अपनी सांगठनिक तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। पार्टी ने चार चुनावी राज्यों के लिए अपने वरिष्ठ पर्यवेक्षकों के नामों का ऐलान कर दिया है। इस रणनीतिक फेरबदल में बिहार के दो कद्दावर नेताओं शकील अहमद खान और कन्हैया कुमार को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शकील अहमद बंगाल में पार्टी को मजबूती देंगे

वहीं, शकील अहमद खान का लंबा संसदीय अनुभव बंगाल में पार्टी को मजबूती देने के काम आएगा। इन पर्यवेक्षकों का मुख्य कार्य चुनाव वाले राज्यों में जाकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ समन्वय स्थापित करना और राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे को सीधे रिपोर्ट करना होगा।

कन्हैया कुमार कद लगातार बढ़ रहा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कन्हैया कुमार को केरल जैसे महत्वपूर्ण राज्य में भेजना यह दर्शाता है कि राहुल गांधी की टीम में उनका कद लगातार बढ़ रहा है।

इन दिग्गजों को मिली कमान

बिहार विधानमंडल दल के नेता और वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान को पश्चिम बंगाल का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया गया है। बंगाल के समीकरणों को देखते हुए शकील अहमद की नियुक्ति काफी अहम मानी जा रही है। वहीं पार्टी के फायरब्रांड नेता और छात्र राजनीति से अपनी पहचान बनाने वाले कन्हैया कुमार को केरल की जिम्मेदारी दी गई है। केरल में वामपंथ और कांग्रेस के बीच होने वाली सीधी जंग में कन्हैया की वाकपटुता और युवा अपील को भुनाने की कोशिश की जाएगी। इनके अलावा पार्टी ने दो अन्य चुनावी राज्यों के लिए भी वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा है, ताकि राज्य इकाइयों के भीतर किसी भी तरह की गुटबाजी को रोका जा सके।

केसी वेणुगोपाल ने जारी की अधिसूचना

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने अनुभवी चेहरों और युवाओं के मिश्रण पर दांव लगाया है। इस नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य चुनावी राज्यों में जमीनी स्तर पर तालमेल बिठाना और टिकट वितरण से लेकर प्रचार अभियान तक की निगरानी करना है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अग्निकांडों से बचने को हो उपाय

शार्ट सर्किट से ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं काफर बढ़ गई हैं। गांवों हाइटेंशन लाइनों से होने वाले हादसों को रोकने के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम जरूरी हैं। उनकी वजह से फसलें तक जलकर खाक हो जाती हैं। इसके सरकारों को सुदृढ़ व्यवस्था करनी जरूरी है। आबादी वाले क्षेत्रों में जर्जर तारों और खुले ट्रांसफॉर्मरों की तुरंत मरम्मत व घेराबंदी हो। नए निर्माण के समय बिजली लाइनों से सुरक्षित दूरी का सख्ती से पालन कराया जाए। खेतों और बस्तियों में चेतावनी बोर्ड व इंसुलेटेड केबल का उपयोग बढ़ाया जाए। बिजली विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और मानसून से पहले विशेष सुरक्षा अभियान चलाए जाएं। साथ ही आम लोगों को जागरूक किया जाए कि वे लाइनों के नीचे निर्माण या गतिविधियों से बचें। प्रशासन और विभाग की सतर्कता ही जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। हाइटेंशन लाइनों से होने वाले हादसों पर प्रभावी अंकुश के लिए सुरक्षा, सावधानी और सजगता ही सबसे बड़ा सूत्र और ध्येय है।

गिरी हुई या झूलती हाइटेंशन लाइनों से हमेशा सुरक्षित दूरी बनाए रखनी चाहिए और कभी भी उन्हें छूने का प्रयास नहीं करना चाहिए। आपात स्थिति में केवल लकड़ी या रबर जैसी सुरक्षित सामग्री का उपयोग करना चाहिए। बिजली कर्मियों को नियमित तकनीकी प्रशिक्षण और आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। किसी भी स्थान पर गिरी या झूलती लाइन दिखने पर तुरंत बिजली कंपनी को सूचना देना आवश्यक है। करंट लगने की स्थिति में पीड़ित को तत्काल चिकित्सक के पास ले जाना चाहिए। जागरूकता और समय पर सूचना ही जान बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। हाइटेंशन लाइन से होने वाले हादसों को रोकने के लिए आबादी क्षेत्र से निश्चित दूरी तय की जानी चाहिए। सुरक्षा दीवार अथवा सुरक्षा जाली लगानी चाहिए। अतिक्रमण को रोकना चाहिए। समय-समय पर हाइटेंशन लाइन क्षेत्र की जांच की जानी चाहिए ताकि संभावित समस्या का समाधान तत्काल किया जा सके। जनता को भी समझदारी से काम लेना चाहिए। अतिक्रमण से बचें और ऊपरी मंजिल निर्धारित दूरी पर ही बनाएं। सरकार की सख्ती और जनता की समझदारी से हाइटेंशन लाइन से होने वाले हादसों को रोका जा सकता है। हाइटेंशन लाइनों से बचाव के लिए विभाग समय-समय पर उनकी नियमित निगरानी करे और सब स्टेशन से घरों तक आने वाली लाईन का निरीक्षण किया जाना चाहिए। झुलते तारों एवं क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों को सही किया जाना चाहिए। लोगों को कम से कम एक वर्ष में अपने घर की वायरिंग, फिटिंग और अर्थिंग को किसी अनुभवी इलेक्ट्रीशियन से जांच करवानी चाहिए।

बजली विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और मानसून से पहले विशेष सुरक्षा अभियान चलाए जाएं। साथ ही आम लोगों को जागरूक किया जाए कि वे लाइनों के नीचे निर्माण या गतिविधियों से बचें। प्रशासन और विभाग की सतर्कता ही जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कर वसूली के साथ जरूरी सुविधाएं भी तो मिलें

राकेश गांधी

भारत का आम नागरिक आज कर व्यवस्था को लेकर गहरे असमंजस में है। उसे लगता है कि उसकी मेहनत और ईमानदारी ही उसके लिए आर्थिक बोझ बनती जा रही है। राष्ट्र निर्माण का दायित्व निभाने वाला यही वर्ग सबसे अधिक दबाव में है। इस असंतोष की जड़ में वह संरचना है जिसे आम भाषा में दोहरी कर व्यवस्था कहा जाता है। कागजों में यह व्यवस्था तर्कसंगत दिखाई देती है। लेकिन धरातल पर यही व्यवस्था नागरिक की जेब और विश्वास दोनों पर चोट करती है। एक नागरिक महीने भर श्रम करता है। वेतन पाता है। उसी वेतन पर वह आयकर देता है। लेकिन कर यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। कर कटने के बाद बची हुई आय से जब वह दवा खरीदता है। भोजन करता है। ईंधन भरवाता है। बच्चों की शिक्षा या किसी सेवा का भुगतान करता है तो हर कदम पर उसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) देना पड़ता है।

सरकार का तर्क है कि आयकर कमाने पर है और जीएसटी व्यय पर। तकनीकी रूप से यह बात सही हो सकती है। लेकिन आम नागरिक के लिए आय का स्रोत एक ही होता है और खर्च भी उसी सीमित राशि से होता है। पैसा वही रहता है। केवल कर के नाम बदल जाते हैं। बोझ कम नहीं होता। यह पीड़ा तब और गहरी हो जाती है जब नागरिक सत्ता शीर्ष पर बैठे लोगों की जीवनशैली देखता है। प्रश्न तब केवल कानूनी नहीं रह जाता बल्कि नैतिक हो जाता है। आम नागरिक पूछता है कि जब उसने अपनी आय पर कर चुका दिया तो जीवन की हर जरूरत पर दोबारा कर क्यों? लोकतंत्र में इस प्रश्न को असंगत नहीं कहा जा सकता। कानूनी सच्चाई यह है कि सांसदों और विधायकों का वेतन आयकर के दायरे में आता है और वे कर देते हैं। लेकिन असमानता वेतन में नहीं बल्कि सुविधाओं में है। सरकारी आवास, बिजली- पानी, यात्रा, चिकित्सा, सुरक्षा व स्टाफ जैसी सभी सुविधाओं का बाजार मूल्य अत्यंत ऊंचा है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को यह या तो मुफ्त मिलता है या नाममात्र शुल्क पर।

वहीं आम नागरिक इन्हीं सुविधाओं के लिए अपनी कर देने के बाद बची आय से पूरा भुगतान करता है। कागजों में कर समान है लेकिन जीवन की वास्तविक लागत में गहरी खाई दिखती है। इस असंतुलन को और उजागर करती है उद्घाटन और दौरों की संस्कृति। मामूली से कार्यक्रम के लिए भी नेता विमान या हेलिकॉप्टर से पहुंचते हैं।

सुरक्षा के नाम पर लंबे काफिले चलते हैं। सड़कें रोकी जाती हैं। प्रशासनिक तंत्र उसी आयोजन में झोंक दिया जाता है। इन सब पर होने वाला खर्च लाखों और कई बार करोड़ों में होता है। यह खर्च देश के राजस्व से होता है। यानी उसी करदाता के पैसे से जो स्वयं यातायात में फंसा हुआ अपने ईंधन का पूरा मूल्य और कर चुका रहा होता है। कृषि आय को कर से मुक्त रखने का निर्णय अपने समय में मानवीय और आवश्यक था। खेती जोखिम भरा और मौसम पर निर्भर है। छोटे किसान की आय अस्थिर होती है। लेकिन समय के साथ इस छूट का दुरुपयोग भी बढ़ा। अनेक गैर किसान और प्रभावशाली लोग अपनी आय को कृषि आय दिखाकर टैक्स से बचते रहे। असली किसान तक इस व्यवस्था का कितना लाभ पहुंचा यह आज भी स्पष्ट नहीं। इससे कर व्यवस्था के प्रति अविश्वास और गहराता है। मूल प्रश्न इससे भी आगे का है। जब नागरिक कर देता है तो बदले में उसे क्या मिलता है। शिक्षा आज भी निजी संस्थानों पर निर्भर है। स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हैं। वृद्धावस्था की सुरक्षा सीमित है। रोजगार अनिश्चित है। कर चुकाने के बाद भी जीवन की बुनियादी जिम्मेदारियां नागरिक को स्वयं उठानी पड़ती हैं। ऐसे में कर राष्ट्र निर्माण की साझेदारी नहीं बल्कि मजबूरी जैसा लगने लगता है। यही अंतर भारत और डेनमार्क जैसे देशों में दिखाई देता है। वहां कर अधिक है, लेकिन बदले में नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की ठोस गारंटी मिलती है। इसलिए कर वहां बोझ नहीं बनता। भारत में कर दरें कम बताई जाती हैं लेकिन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर जोड़ दिए जाएं तो मध्यम वर्ग पर वास्तविक बोझ कहीं अधिक दिखाई देता है। सुविधाएं फिर भी सीमित रहती हैं। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यह दोहरी कर व्यवस्था न किसी एक दल की देन है और न ही किसी एक सरकार की।

यह आजादी के बाद विकसित हुई कर संरचना का परिणाम है। समय बदला। अर्थव्यवस्था बदली। नागरिक की अपेक्षाएं बदलीं। लेकिन कर व्यवस्था का मूल स्वरूप लगभग जस का तस बना रहा। इसलिए आज यह असहज लगने लगी है। यह आरोप का विषय नहीं बल्कि सुधार का अवसर है। आवश्यकता यह है कि कर सुधार की शुरुआत सत्ता के आचरण से हो। उद्घाटन संस्कृति पर नियंत्रण लगे। हवाई यात्राएं केवल अपरिहार्य स्थितियों में हों।

उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता साहस

विश्वनाथ सचदेव

देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में पीने के दूषित पानी के कारण चौदह लोग मारे गये और दो सौ से अधिक लोग बीमार होकर अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। मरने वालों और बीमार होने वालों की यह संख्या एक आंकड़ा मात्र नहीं है, यह हमारी समूची व्यवस्था पर लगा एक सवालिया निशान है, जिसका उत्तर देना त्रासदी से जुड़े सभी व्यक्तियों, जिनमें उच्च अधिकारी और संबंधित मंत्री शामिल हैं, का दायित्व है। प्रशासन और संबंधित मंत्री महोदय ने पीड़ितों की सहायता और स्थिति को सुधारने का आश्वासन दिया है। मामला गंभीर है और अपनी तरह का पहला कांड भी नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह की आपराधिक लापरवाही के उदाहरण अक्सर मिलते रहते हैं। इस मामले में राज्य के संबंधित मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपना 'अपराध' भी स्वीकार किया है और खेद भी व्यक्त किया है।

अब मामले की जांच होगी, कुछ कार्रवाई भी होगी। और फिर इसे भी पहले की ऐसी वारदातों की तरह भुला दिया जायेगा, आवश्यकता भूल जाने की इस प्रवृत्ति से निपटने की है। यह याद रखा जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्तियों-विभागों की लापरवाही के कारण इतना गंभीर कांड हो गया, जो किसी भी दृष्टि से क्षम्य नहीं है। लेकिन इस त्रासदी के साथ जुड़े दो पक्ष और भी हैं, जिन्हें याद रखा जाना चाहिए- पहले तो यह कि इस कांड के दौरान देश ने अपने एक बड़े माने जाने वाले नेता की उथली सोच और व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत किया है और दूसरा पक्ष उस एक पत्रकार के व्यवहार वाला है, जिसने मंत्री महोदय के घटिया उद्गारों का तत्काल विरोध किया। जहां अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री, क्षमा मांगने के बावजूद लोक-मर्यादा के कटघरे में खड़े हैं, वहीं उस पत्रकार की सब प्रशंसा कर रहे हैं, जिसने पूरी गंभीरता और साहस के साथ मंत्री महोदय को यह जता दिया कि उनका व्यवहार अशोभनीय ही नहीं, शर्मनाक भी था। यह बात क्षमा मांग कर रफा-दफा करने की नहीं है, अपना आपा खोने वाले ऐसे मंत्री को इतने जिम्मेदार पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है।

लेकिन प्रशंसा उस पत्रकार की होनी चाहिए, जिसने इस कांड में पूरे साहस और निर्भीकता के साथ मंत्री महोदय को उनकी औकात दिखाई। घटना के वीडियो वायरल हो जाने वाले इस समय में कोई यह कहकर बच नहीं सकता कि उसने ऐसा नहीं कहा था अथवा उसे गलत उद्धृत किया जा रहा है। सब कुछ सबके सामने आ जाता है। इंदौर के इस कांड में स्पष्ट दिख रहा है कि मंत्री जी ने पत्रकार के वाजिब और जरूरी सवाल को सिर्फ 'फोकट' का प्रश्न ही नहीं बताया बल्कि ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया जो सभ्य समाज में अभद्र माना जाता है। लेकिन इस मामले में प्रशंसनीय बात पत्रकार अनुराग द्वारी का साहस है जो उन्होंने मंत्री महोदय के सामने प्रकट किया। प्रशंसनीय इसलिए कि हमारे आज के दौर में किसी पत्रकार का इस तरह का साहस दिखाना अपने आप में एक समाचार है।

कारण कुछ भी रहे हों, लेकिन हकीकत यही है कि हमारी आज की पत्रकारिता पर सत्ता के समक्ष झुकने के आरोप आये दिन लग रहे हैं और इसके उदाहरण भी अक्सर मिलते रहते हैं। यही नहीं, मीडिया के एक बहुत बड़े हिस्से की तो पहचान ही 'गोदी मीडिया' वाली हो गयी है-गोदी मीडिया यानी सत्ता के समक्ष नतमस्तक पत्रकारिता। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तो यह प्रवृत्ति अखबारों से कहीं ज्यादा ही दिख रही है। अपवाद अवश्य हैं, पर इनसे तो नियम ही सिद्ध होते हैं। ऐसे में अनुराग द्वारी जैसे पत्रकार का इस तरह साहस दिखाना सुखद आश्चर्य ही देता है। यह अपने आप में एक विडंबना ही है कि जो साहस और स्पष्टवादिता पत्रकारिता का आवश्यक गुण माना जाता था, वह आज की पत्रकारिता में खोजे नहीं मिलता। एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार अनुराग द्वारी ने इस गुण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्थिति की विकटता का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि कभी साहसी और निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रतीक माना जाना वाला समाचार चैनल अपने ही इस साहसी पत्रकारिता के उदाहरण को उचित महत्व नहीं दे पाया। 'उचित महत्व न दे पाया' कहना इसलिए जरूरी है कि यह मानना सही नहीं होगा कि चैनल एनडीटीवी वाले इस 'साहस' को जानते या समझते नहीं हैं। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारे अधिकांश समाचार चैनल व्यावसायिक और सत्ताधारी दबावों में काम करते दिख रहे हैं। हमारी पत्रकारिता की शोचनीय स्थिति है यह।

अनायास ही आपातकाल के वे दिन याद आ रहे हैं जब 'झुकने के लिए कहे जाने वाली पत्रकारिता रेंगने लगी थी' आपातकाल के दौरान अधिकांश मीडिया संस्थानों ने सत्ता के समक्ष जैसे आत्मसमर्पण कर दिया था, वह हमारे लोकतंत्र और हमारी पत्रकारिता दोनों के इतिहास के काले पन्नों वाला काल था। यह एक दुर्भाग्य ही है कि आज के इस 'गोदी मीडिया' वाले काल की पत्रकारिता कुछ इसी तरह के संकेत दे रही है। ऐसे में किसी अनुराग द्वारी का दिखाया गया साहस उम्मीद के जुगनुओं का आभास देता है। जुगनू सूरज नहीं हो सकता, पर इस बात की उम्मीद तो जगाता है कि हर अंधेरे को चुनौती दी जा सकती है। चुनौती दी जानी चाहिए। अनुराग द्वारी ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री को बड़े साहस और स्पष्टता के साथ समझा दिया था कि कुछ भी कहने और करने के सत्ता के भ्रम को तोड़ा जा सकता है। सत्ता चाहे राजनीतिक हो या फिर आर्थिक, सच्ची पत्रकारिता उसके सामने झुकेगी तो अपने दायित्व से च्युत ही होगी।

हड्डियों के लिए

चिलगोजा खाने के फायदे हड्डियों की मजबूती के लिए भी देखे जा सकते हैं, क्योंकि चिलगोजा में मौजूद फैटी एसिड हड्डियों के विकास और मजबूती में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार चिलगोजा में पाया जाने वाला ओमेगा-6 फैटी एसिड्स हड्डियों को स्वस्थ रखने के साथ-साथ गठिया जैसे रोग में भी आराम पहुंचा सकता है ।। इसके अलावा चिलगोजे के फायदे में कैल्शियम भी शामिल है जो हड्डियों की मजबूती और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आंखों के लिए

चिलगोजे के फायदे में आंखों की देखभाल भी शामिल हो सकते हैं। एक वैज्ञानिक शोध के मुताबिक आंखों की देखभाल के लिए अगर आप चिलगोजा का सेवन कर रहे हैं, तो इसमें मौजूद ओमेगा-3 आपकी आंखों की मदद कर सकता है। यह आपकी आंखों की नाईट विजन और कलर विजन की क्षमता का विकास कर सकता है ।इसके अलावा चिलगोजा में विटामिन- ए भी पाया जाता है, जो आंखों की रेटिना में रंजक का विकास करता है ।इसलिए आंखों की देखभाल के लिए चिलगोजा का प्रयोग किया जा सकता है।

मधुमेह

मधुमेह जैसी बीमारी में खान-पान का विशेष ध्यान देना पड़ता है, लेकिन यदि आप चिलगोजा का सेवन कर रहे हैं तो निश्चिन्त रहिये क्योंकि और इसमें मौजूद पोषक तत्वों से मधुमेह की समस्या में होने वाले खतरों को कई गुना तक कम किया जा सकता हैं। चिलगोजा में कैल्शियम, पोटैशियम और मैग्नेशियम जैसे मिनरल्स मौजूद होते हैं। इस नट का सेवन अगर किया जाए तो यह डायबिटीज के खतरे को कम कर सकते हैं।

चिलगोजा

ड्राई फूड स्वास्थ्य के लिए हैं बेमिसाल

हिमाचल प्रदेश का एक प्यारा सा शहर है किन्नौर में चिलगोजा के पेड़ पाए जाते हैं। किन्नौर के अलावा भारत में कश्मीर के छोटे से हिस्से में भी चिलगोजा पाया जाता है। उधर नेपाल, अफगानिस्तान और चीन में भी कुछ सीमित क्षेत्रों में चिलगोजा पाया जाता है। चिलगोजा को किन्नौर में नेयोजा के नाम से जाना जाता है। पाइन नट्स नाम का यह पेड़ चीड़ के पेड़ से मिलता जुलता है। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए भी चिलगोजा का प्रयोग किया जा सकता है। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार चिलगोजे में जिंक मौजूद होता है, जो प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने का काम करता है। एंटीऑक्सिडेंट्स हमारी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने से बचाते हैं। अगर आप चिलगोजा का सेवन कर रहे हैं तो निश्चित हो जाइए, क्योंकि चिलगोजे में एंटीऑक्सीडेंट्स (विटामिन ए , विटामिन सी और विटामिन ई) भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

त्वचा और बालों के लिए

त्वचा के लिए भी चिलगोजे के फायदे आपको लाभ पहुंचा सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के मुताबिक चिलगोजा का इस्तेमाल त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यह विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होता है। विटामिन सी एक एंटीऑक्सीडेंट्स है, जो सूर्य की हानिकारक किरणों से त्वचा की रक्षा करता है। साथ ही विटामिन सी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाता है और एजिंग को कम करता है। बालों के स्वास्थ्य के लिए भी चिलगोजा खाने के फायदे देखे जा सकते हैं। चिलगोजे में पाया जाने वाला ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड बालों के विकास के लिए उपयोगी हो सकता है। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, ओमेगा-6 फैटी एसिड बालों को झड़ने से रोकने में मदद करता है और बालों को घना बनाने में भी सहयोग कर सकता है।

वजन संतुलित करने में

वजन नियंत्रित रखने में भी चिलगोजा खाने के फायदे देखे जा सकते हैं। एक वैज्ञानिक शोध के मुताबिक चिलगोजा से बने हुए तेल का सेवन वजन घटाने में अहम भूमिका निभा सकता है। दरअसल, चिलगोजा में पिनोलेनिक एसिड मौजूद होता है और यह 14 से 19 प्रतिशत फैटी एसिड को प्रदर्शित करता है। यह एसिड भूख को नियंत्रित कर वजन को कम करने में मदद कर सकता है । रोजाना नट पदार्थों के सेवन से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

हृदय स्वास्थ्य में

चिलगोजा खाने का तरीका, हृदय स्वास्थ्य में भी लाभदायक हो सकता है। चिलगोजा एक नट है और एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार नट पदार्थों का सेवन करने से हृदय संबंधित बीमारियों का खतरा कम हो सकता है । एक अन्य अध्ययन की मानें तो पाइन नट्स के अंदर मौजूद पोषक तत्व हृदय संबंधी कई रोगों में कमी देखी गई। चिलगोजा में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने का गुण मौजूद होते हैं।

हंसना मना है

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची, ऑफीसर- अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप किसको मारोगी? संजना- पति को, ऑफीसर- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की लड़की को किसी लड़के ने छेड़ा, उसका गुस्सा ऐसे निकला-अरे ओ पेन ड्राइव के ढक्कन, पैदाइशी Error, Virus के बच्चे, E&cel की Corrupt File, ऐसा Click मारूंगी कि ज़मीन से Delete हो कर कब्र में Install हो जायेगा! समझे?

जब एक लड़की लड़के से क्लास में पेन मांगती है तो..लडका- कौन सा दूं? ब्लु, ब्लैक, रेड, ग्रीन? और जब एक दोस्त मांगे तब, लड़का- हट साले लड़की देखने आता है school में बिना पेन के?

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था? दूसरा व्यक्ति उसे गौर से देखता हुए बोला- भाई साहब, आप स्टार्ट नहीं हो रहे, तो मैं धक्का लगाऊं?

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधु को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग को जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए और न ही किसी की चिकनी चुपड़ी बातों पर विश्वास करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

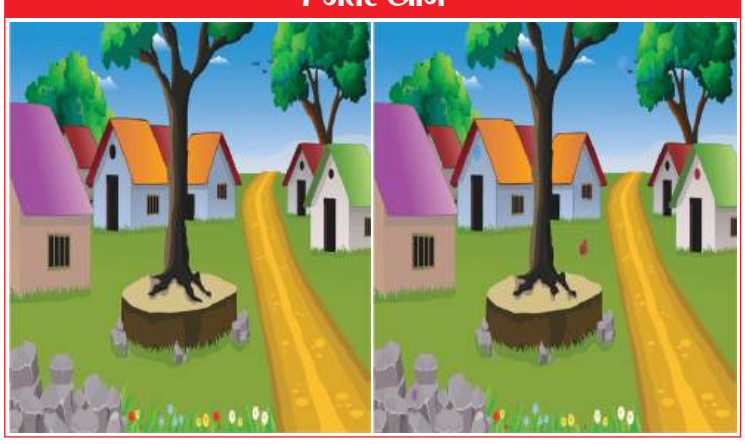

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ

व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन

घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। शत्रुभय रहेगा।

कर्क

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

कन्या

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। लापरवाही न करें।

कुम्भ

फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन

यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी।

एक बार फिर लोगों को चौंकाने आ रही हैं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर फैंस को हैरान करने वाली हैं। इस बार वो अपनी आने वाली फिल्म 'द ब्लफ' में एकदम नए और दमदार रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में ताकत, मां बनने का अनुभव, अतीत की परछाइयां और खुद से लड़ने की कहानी देखने को मिलेगी।

हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर लोगों को चौंकाने वाली हैं। इस बार वो एकदम नए और अलग किरदार में दिखेंगी।

इन दिनों वो अपनी आने वाली फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मां बनने का अनुभव, अतीत की छाया और खुद से लड़ने की कहानी देखने को मिलेगी। प्रियंका इस फिल्म के जरिए फिर साबित करेंगी कि वो हमेशा नए रोल करने से डरती नहीं हैं।

प्रियंका की ये फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है।

फिल्म में प्रियंका एर्सेल बॉडन का किरदार निभा रही हैं जो पहले 'ब्लडी मैरी' के नाम से जानी जाने वाली खतरनाक समुद्री डाकू रही हैं।

25 फरवरी को ओटीटी पर आएगी 'द ब्लफ'

ये रोल प्रियंका के अब तक के रोल्स से बिल्कुल अलग है क्योंकि इसमें सिर्फ एक्शन ही नहीं बल्कि इमोशन की गहराई भी देखने को मिलेगी।

फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ 'द ब्लफ' की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ये फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर आएगी।प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन की तस्वीरें साझा की। एक तस्वीर में वह खून से लथपथ हथियार थामे और पूरी तरह लड़ाई के लिए तैयार नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वो तलवार लिए गुस्से में लड़ती दिख रही हैं। वहीं एक तस्वीर में वो खाने की मेज पर फैमिली के साथ बैठी हैं।

बाकी तस्वीरों में प्रियंका कभी एक रक्षक के रूप में तो कभी समुद्री डाकू के लुक में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और फैंस इस नए अवतार को देखकर बहुत खुश हैं।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा है की मां। रक्षक। समुद्री डाकू, ब्लडी मैरी से मिलिए। द ब्लफ 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी शोभिता धुलिपाला की 'चीकाटिलो'

बॉलीवुड | चर्चा

'द नाइट मैनेजर' जैसी वेब सीरीज में नजर आईं अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। यह एक सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का नाम 'चीकाटिलो' है। फिल्म की घोषणा के साथ ही इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है, जिसमें शोभिता इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं।

'चीकाटिलो' प्राइम वीडियो की ओरिजिनल तेलुगु भाषा की फिल्म है। हालांकि, यह हिंदी में भी रिलीज होगी। हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर बनी 'चीकाटीलो' एक रोमांचक क्राइम-सस्पेंस फिल्म है। कहानी संध्या नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक टू-क्राइम पॉडकास्टर है। इस किरदार को शोभिता धुलिपाला ने निभाया है। अपने इंटर्न की रहस्यमयी मौत के बाद न्याय पाने की अपनी लगातार कोशिश में संध्या को खौफनाक अपराधों की एक चौंकाने वाली कड़ी का पता चलता है। जिसके बाद उसके सामने शहर के कुछ सबसे खौफनाक और काले राज सामने आते हैं। फिल्म 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

शरण कोपिशेट्टी द्वारा निर्देशित 'चीकाटिलो' को डी. सुरेश बाबू ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी चंद्र पेम्माराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा चैतन्य विशालक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी 17 फिल्में आईं, लेकिन कोई अवॉर्ड नहीं मिला : रोहित शेट्टी

मुंबई में भारतीय राष्ट्रीय सिनेमा अकैडमी का शुभारंभ हुआ। यह एक ऐसी राष्ट्रीय संस्था है जिसका उद्देश्य भारत के विविध फिल्म क्षेत्रों को एक जगह केंद्र में लाना है। इस कार्यक्रम में रोहित शेट्टी से लेकर मनोज तिवारी जैसे इंडस्ट्री के अलग-अलग धुरंधर पहुंचे थे। डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने अवॉर्ड्स के मामले में अपने रिकॉर्ड पर खुद ही कटाक्ष किया। राष्ट्रीय सिनेमा अकैडमी का उद्देश्य भारत की सभी भाषाओं और रीजनल फिल्म इंडस्ट्रीज को एकसाथ मंच पर लाना है। भारतीय सिनेमा के लिए एक लॉन्ग टर्म इंस्टीट्यूशन के रूप में तैयार ढ्ढह्लष्ट, अलग-अलग भाषाओं, क्षेत्रों और रचनात्मक विभागों के बीच कोलैबरेशन, ट्रांसपैरेंसी और भरोसेमंद सम्मानित सिस्टम की दिशा में काम करेगी।

इस मौके पर रोहित शेट्टी भी मौजूद थे। उन्होंने हंसते हुए इस मौके पर कहा, मेरा और अवॉर्ड्स का दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं है। अब तक मेरी 17 फिल्में हो चुकी हैं और मैं वहां सिर्फ होस्टिंग के लिए ही जाता हूं। इस इवेंट में पहुंचे मनोज तिवारी ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर बातें कीं। उन्होंने कहा, साल 2004 में मैंने एक भोजपुरी फिल्म में काम किया था। वह फिल्म सिर्फ 30 लाख रुपये में बनी थी, लेकिन उसने करीब 54 करोड़ रुपये का बिज़नेस किया। फिर भी उस फिल्म के निर्देशक को एक भी अवॉर्ड नहीं मिला, न ही उसके लेखक को सम्मानित किया गया। मनोज तिवारी ने कहा, यहां तक कि एक्टर यानी मैं खुद भी कोई अवॉर्ड नहीं जीत पाया। इसलिए इसके लिए मैं विष्णु का दिल से धन्यवाद करता हूं। इस घोषणा के अवसर पर देशभर के लीडिंग फिल्ममेकर्स, प्रड्यूसर, एक्टर्स और कल्चरल फील्ड के बड़ी हस्तियां मौजूद थीं। इनमें रोहित शेट्टी, आनंद एल. राय, प्रोसेनजीत चटर्जी, दिल राजू, मनोज तिवारी, नवराज हंस, मनमोहन शेट्टी, खुशबू सुंदर, लक्ष्मी मांचू, अंकुर गर्ग, विष्णु वर्धन इंदुरी, शिबाशिष सरकार सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं। इसी के साथ प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया भी इस पहल के साथ जुड़ा है।

ये है धरती का जन्नत! सिर्फ महिलाएं ही जा सकती हैं अंदर, पुरुषों पर है बैन

दुनिया में कई खूबसूरत जगहें हैं, लेकिन फिनलैंड का सुपरशी आइलैंड वाकई अनोखा है। इसे धरती का जन्नत कहा जा रहा है, जहां मर्दों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है! यहां सिर्फ महिलाएं ही यहां जा सकती हैं। यह 8.4 एकड़ का प्राइवेट आइलैंड बाल्टिक सागर में फिनलैंड के दक्षिणी तट के पास रासेपोरी के नजदीक स्थित है। हेलसिंकी से महज 100 किमी दूर होने के बावजूद यहां पहुंचकर लगता है जैसे दुनिया से अलग हो गए हों। यह आइलैंड अमेरिकी उद्यमी क्रिस्टिना रोथ ने 2018 में खरीदा था। वे पूर्व टेक ष्टश्वह्ल हैं और महिलाओं के लिए एक डिस्ट्रैक्शन-फ्री जोन बनाना चाहती थी। यहां कोई एजेंडा नहीं, कोई इंटरप्शन नहीं है। सिर्फ प्रकृति की गोद में रिचार्ज होने की जगह है।

इस आइलैंड पर रॉकी शोर्स, घने जंगल, फिनिश सौना और लग्जरी टच वाली विलास हैं। मेहमान बोट से आते हैं और शांत वातावरण में कदम रखते हैं। सुपरशी आइलैंड की सबसे खास बात इसकी सख्त 'नो मेन' पॉलिसी है। यहां सिर्फ महिलाएं रह सकती हैं, जो 8 मेहमानों तक सीमित है। यह इंटीमेसी बनाए रखने के लिए है ताकि यहां भीड़ नहीं, सिर्फ व्यक्तिगत स्पेस मिले। कोजी वुड कैबिन्स और विलास जंगल से घिरे हैं, जहां महिलाएं योग, मेडिटेशन, सैर या बस आराम कर सकती हैं। व्हिस्परिंग पाइन्स और जेंटल वेव्स के बीच चिंताएं गायब हो जाती हैं। क्रिस्टिना रोथ का मकसद था महिलाओं को सशक्त बनाना। वे कहती हैं कि फास्ट-पेस्ड लाइफ में महिलाएं खुद को भूल जाती हैं। यहां वे खुद से जुड़ सकती हैं। 2018 से 2023 तक यह महिलाओं का पॉवरफुल स्पेस रहा। हजारों महिलाएं यहां आईं, दोस्त बनी और रिचार्ज होकर लौटी। लेकिन 2023 में आइलैंड बिक गया। एक पुरुष शिपिंग एग्जीक्यूटिव ने इसे 1 मिलियन यूरो से ज्यादा में खरीद लिया। उसके बाद सुपरशी ब्रांड के तौर पर कोई रीलॉन्च नहीं हुआ लेकिन सोशल मीडिया पर आज भी इसकी तस्वीरें और कहानियां वायरल हैं। 2025-26 में भी लोग इसे 'महिलाओं का पैराडाइज' कहते हैं। कई रिपोर्ट्स में इसे फिर से चर्चा में लाया गया है। हालांकि अब यह प्राइवेट प्रॉपर्टी है और ओरिजिनल 'विमेन-ओनली' रूल्स के साथ उपलब्ध नहीं है लेकिन इसकी कॉन्सेप्ट ने दुनिया भर में महिलाओं के लिए ऐसे रिट्रीट्स की मांग बढ़ा दी है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा देश

इस देश में आज भी बेचे जाते हैं गुलाम, गाजर-मूली सी लगती है कीमत, पैसों से खरीदी जाती है आजादी!

दुनिया काफी आगे बढ़ चुकी है, लेकिन कुछ जगहें ऐसी हैं जहां समय रुक सा गया लगता है। अफ्रीका महाद्वीप के पश्चिमी हिस्से में स्थित मॉरिटानिया दुनिया का वो आखिरी देश है जहां वंशानुगत गुलामी आज भी मौजूद है।

यहां कुल जनसंख्या के 4ब्न से लेकर 10-20ब्न तक लोग गुलामी में जी रहे हैं, यानी करीब 1।5 लाख से ज्यादा व्यक्ति! यह संख्या विभिन्न रिपोर्ट्स में अलग-अलग बताई जाती है, लेकिन हकीकत ये है कि हजारों लोग जन्म से ही मालिकों के कब्जे में होते हैं।

सदियों पुरानी है बे?यामॉरिटानिया में गुलामी की जड़ें सदियों पुरानी हैं। यहां अरब-बेरबर (बीदान) समुदाय ऊपरी वर्ग में है, जबकि हाराटीन (काले अफ्रीकी मूल के) लोग सदियों से गुलाम माने जाते हैं। बच्चे जन्म से ही 'मालिक' के होते हैं, उन्हें शिक्षा, आजादी या मजदूरी का हक नहीं मिलता। वे घरेलू काम, खेती या पशुपालन में बिना पैसे के मजदूर की तरह काम करते हैं। कई मामलों में महिलाओं और लड़कियों के साथ यौन शोषण भी होता है। हालांकि, मॉरिटानिया ने 1981 में दुनिया में सबसे आखिरी देश के रूप में गुलामी को आधिकारिक तौर पर खत्म घोषित किया था। 2007 में इसे अपराध घोषित किया गया, लेकिन कानून का क्रियान्वयन बहुत कमजोर रहा। 2025 में सरकार ने एक स्पेशल ट्रिब्यूनल बनाया जो गुलामी, मानव तस्करी और प्रवासी तस्करी के मामलों की सुनवाई करता है। कुछ मामलों में दोषियों को सजा भी हुई, लेकिन ज्यादातर मामलों में मालिकों को संरक्षण मिलता है।

इस देश में गुलामी की ज? इतनी मजबूत है कि पीड़ित खुद शिकायत करने से डरते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुलामों की खरीद-बिक्री अभी भी होती है, हालांकि अब खुले बाजारों में कम होती है। इनकी कीमतें बेहद कम होती है। कभी एक गाय या ऊंट के बदले तो कभी कुछ सौ डॉलर में। एक महिला या बच्चे को 'बेचा' जा सकता है। एंटी-स्लेवरी इंटरनेशनल और ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स जैसी संस्थाएं बताती हैं कि मॉरिटानिया में गुलामी की व्यापकता सबसे ज्यादा है। 2023 के ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स में यह देश प्रीवलेंस में टॉप पर था। 2025-26 में भी स्थिति ज्यादा नहीं बदली। मानवाधिकार संगठनों ने बताया कि सरकार पर दबाव बढ़ रहा है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। एंटी-स्लेवरी एक्टिविस्ट्स को अक्सर जेल भेज दिया जाता है, जैसे 2025 में कई कार्यकर्ताओं को सजा सुनाई गई थी।

वांगचुक पर एनएसए लगाने पर सुप्रीम सवाल

» हिरासत के आधार देने में 28 दिनों की देरी

» संविधान के अनुच्छेद 22 का सीधा उल्लंघन कर रही सरकार : सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में लद्दाख से जुड़े एक अहम मामले पर विस्तार से बहस हुई, जहां सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत को चुनौती दी गई है। बता दें कि यह याचिका उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि अंगमो की ओर से दायर की गई है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना वराले की पीठ ने पूरे दिन के दूसरे सत्र में मामले की सुनवाई की, जिसमें याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलीलें रखीं। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को लद्दाख में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था।

सरकार का आरोप है कि इन प्रदर्शनों के दौरान हालात हिंसक हो गए थे और इससे सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हुई। हालांकि, सिब्बल ने कहा कि हिरासत का आदेश जिन चार वीडियो पर आधारित बताया गया है, वे न तो समय पर और न ही पूरी तरह से वांगचुक को उपलब्ध कराए गए। उनके मुताबिक, कानून स्पष्ट है कि अगर हिरासत के आधार बताए जाएं लेकिन उन पर निर्भर दस्तावेज न दिए जाएं, तो यह संविधान के अनुच्छेद 22 का सीधा उल्लंघन होता है। मौजूद जानकारी के अनुसार, सिब्बल ने अदालत को यह भी बताया कि हिरासत के आधार देने में 28 दिनों की देरी हुई, जो कानूनन तय समयसीमा का उल्लंघन है।

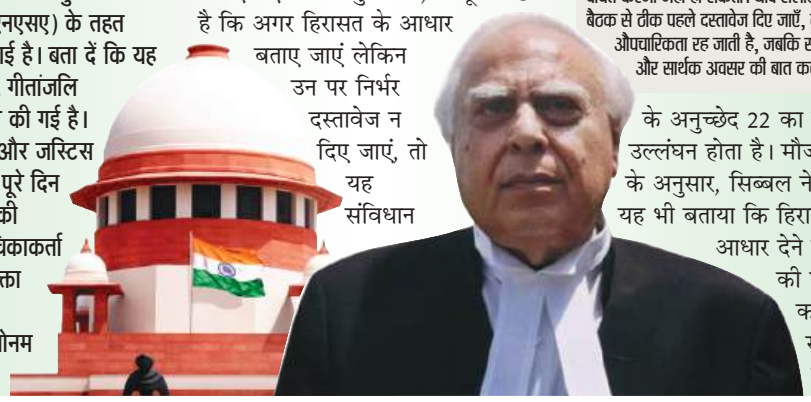

अब तक वीडियो उपलब्ध नहीं कराए गए : सिब्बल

सिब्बल ने यह भी दलील दी कि हिरासत के आधार 29 सितंबर को दिए गए, जबकि वीडियो न तो पेन ड्राइव में थे और न ही उनकी प्रतियां दी गईं। बाद में केवल वीडियो के लिंक दिए गए, जो प्रभावी बचाव का अधिकार नहीं माने जा सकते। उन्होंने कहा कि वांगचुक ने हिरासत से कई बार पत्र लिखकर इन वीडियो की मांग की, लेकिन उन्हें कभी उपलब्ध नहीं कराया गया। यहां तक कि उनकी पत्नी को भी संबंधित दस्तावेज देने का आश्वासन देकर इंतजार कराया गया, लेकिन कुछ नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि हिरासत का मकसद व्यक्ति को प्रभावी प्रतिनिधित्व से वंचित करना नहीं हो सकता। यदि सलाहकार बोर्ड की बैठक से ठीक पहले दस्तावेज दिए जाएँ, तो यह केवल औपचारिकता रह जाती है, जबकि संविधान वास्तविक और सार्थक अवसर की बात करता है।

हर चीज के लिए सिर्फ नेहरू को जिम्मेदार ठहरा देना गलत : थरूर

» कांग्रेस नेता बोले- भाजपा सरकार नेहरू विरोधी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वह देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के फैन हैं, लेकिन उनकी सभी नीतियों का वह समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र की स्थापना नेहरू ने ही की थी। उन्होंने कहा कि नेहरू की गलतियों को स्वीकार करना आवश्यक है, लेकिन हर चीज के लिए सिर्फ उन्हें जिम्मेदार ठहरा देना गलत है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में नेहरू की ओर से लिए गए कुछ फैसले गलत हो सकते हैं, लेकिन हम उन्हें हर चीज के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं।

शशि थरूर केरल लेजिस्लेटिव असेंबली इंटरनेशनल बुक फेस्टीवल में बोल रहे थे, जहां उन्होंने बीजेपी सरकार को लेकर बात की और कहा कि वे नेहरू विरोधी हैं, वे हर चीज के लिए नेहरू को जिम्मेदार ठहराते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में नेहरू को जिम्मेदार ठहराना समझ में आता है क्योंकि उनमें नेहरू ने फैसले लिए, लेकिन हर चीज के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहरा देना गलत है। शशि थरूर ने कहा, मैं जवाहर लाल नेहरू का फैन हूं, लेकिन मैं उनका अंधभक्त नहीं हूं. मैं उनकी समझ और दृष्टिकोण की बहुत प्रशंसा करता हूं और उनका मैं बहुत सम्मान करता हूं फिर भी मैं उनके विचारों और नीतियों का शत प्रतिशत समर्थन नहीं करता हूं, उन्होंने बहुत से ऐसे काम किए हैं, जिनके लिए उनकी जितनी तारीफ की जाए कम है, सबसे महत्वपूर्ण बात, वह नेहरू ही थे जिन्होंने भारत में लोकतंत्र स्थापित किया। मैं यह नहीं कहूंगा कि बीजेपी सरकार लोकतंत्र विरोधी है, लेकिन वे नेहरू विरोधी हैं। नेहरू बली का बकरा बन गए हैं। शशि थरूर ने कहा कि कई मामलों में बीजेपी सरकार की आलोचना समझ में आती है, जैसे कि 1962 की जंग में चीन से हार, इसका कुछ श्रेय नेहरू के लिए गए फैसलों को भी दिया जा सकता है. उन्होंने कहा कि लेकिन अब वे क्या कर रहे हैं, वे हर चीज के लिए नेहरू को जिम्मेदार ठहराते हैं, चाहे मुद्दा कुछ भी हो।

उत्कृष्ट कलाकृतियों ने दर्शकों का मन मोहा

» तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य ललित कला अकादमी, कैसरबाग में आज एक तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन एस के सिंह, सहायक आयुक्त (इनसीटू) (केंद्रीय नॉर्कोटिक्स ब्यूरो) ने किया। इस प्रदर्शनी में शहर के लगभग 150 उभरते और प्रतिष्ठित कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। सृजन प्रदर्शिनी 08 से 10 जनवरी 2026 तक दर्शकों के अवलोकन के लिए खुली रहेगी। इसमें विभिन्न स्कूल और कॉलेज के 150 से अधिक युवा कलाकारों की कलाकृतियां दर्शकों के अवलोकन हेतु लगाई गई हैं।

इस अवसर पर सिंह ने युवा चित्रकारों/कलाकारों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी की लजी कलाकृतिओं और चित्रों को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि युवा चित्रकारों ने अपने अंतर भावों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया है। प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि एस के सिंह, सहायक आयुक्त (इनसीटू) (केंद्रीय नॉर्कोटिक्स ब्यूरो), रोहित राज (अधीक्षक) केंद्रीय नॉर्कोटिक्स ब्यूरो, संदीप पाल सोशल एक्टिविस्ट, मीनाक्षी श्रावणी आर्टिस्ट, अरूप मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

वसूली में गिरावट, अधिकारियों पर गिरेगी गाज

» नगर आयुक्त की कार्रवाई से मचा था हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में गृहकर व अन्य करों की वसूली को लेकर हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार भले ही वसूली लक्ष्य बढ़ाने को लेकर रोज़ाना, हर माह जोनल अधिकारियों, टैक्स सुपरिटेंडेंट और राजस्व निरीक्षकों की कड़ी समीक्षा कर रहे हों, लेकिन बीते दिनों वसूली में आई गिरावट ने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक वसूली में आई इस गिरावट की बड़ी वजह हाल ही में नगर आयुक्त द्वारा किए गए तबादले माने जा रहे हैं। अचानक जोनल अधिकारियों, टैक्स सुपरिटेंडेंट और राजस्व निरीक्षकों के तबादले होने से ज़मीनी स्तर पर वसूली व्यवस्था प्रभावित हुई, जिसका सीधा असर आंकड़ों में दिखाई दिया।

गिरती वसूली से नाराज़ नगर आयुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी जोनों के जोनल अधिकारियों का वेतन रोक दिया है। इसके साथ ही कुछ राजस्व निरीक्षकों के वेतन पर भी रोक लगाई गई है। इस कार्रवाई के बाद नगर निगम के गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि इस बीच जोन-4 एक अपवाद के तौर पर सामने आया है, जहां वसूली अपेक्षाकृत बेहतर रही और यह जोन अन्य जोनों से आगे निकलता दिखाई दिया। सूत्रों की मानें तो मामला यहीं थमने वाला नहीं है। अंदरखाने से यह भी जानकारी मिली है कि जिन जोनों में वसूली संतोषजनक नहीं रही या अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई, वहां के जोनल अधिकारियों को जोन से हटाया भी जा सकता है। अब नगर निगम में यह बहस तेज़ हो गई है कि नगर आयुक्त की सख्ती से वसूली पटरी पर आएगी या फिर जोनल अधिकारियों पर गाज गिरती चली जाएगी। आने वाले दिनों में यह साफ़ होगा कि यह रणनीति वसूली बढ़ाएगी या व्यवस्था को और उलझाएगी।

बड़े पैमाने पर हुए तबादलों पर सवाल

अब सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा हो रहा है कि जब नगर आयुक्त का मुख्य फोकस वसूली बढ़ाने पर था, तो ऐसे समय में बड़े पैमाने पर तबादले करना कितना सही फैसला था? क्या तबादलों की वजह से वसूली गिरी या फिर वेतन रोकने जैसी सख्त कार्रवाई से आने वाले दिनों में वसूली में तेज़ी आएगी?

मनरेगा को पुनः लागू करने के लिए विशेष सत्र बुलाया जाएगा :सिद्धरमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य विधानसभा का एक विशेष सत्र जल्द बुलाया जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार से मनरेगा को फिर से लागू करने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह बात कांग्रेस विधायकों की बैठक में कही, जिसमें पार्टी द्वारा देश भर में आयोजित 'मनरेगा बचाओ' जन आंदोलन पर चर्चा की गई।

उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार, राज्य सरकार के सभी मंत्री, कांग्रेस के विधायक और विधान परिषद सदस्य बैठक में मौजूद थे। कांग्रेस ने मांग की है कि केंद्र सरकार वीबी-जी राम जी कानून को रद्द करे, और संप्रग के समय के मनरेगा को वापस लागू करे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी सूर्यकुमार यादव रहे फ्लाप

» शिवम दूबे और अभिषेक शर्मा का भी नहीं चला बल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। विजय हजारे ट्रॉफी के राउंड-सात में पंजाब के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सरफराज खान ने अभिषेक शर्मा के एक ही ओवर में 30 रन बटोरे, लेकिन इसके बावजूद मुंबई को एक रन से हार झेलनी पड़ी। वहीं, भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव घरेलू टूर्नामेंट में भी फ्लॉप साबित हुए। शिवम दुबे का भी बल्ला नहीं चला। वहीं पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा भी फ्लॉप रहे और आठ रन बना सके। जीत दिलाने की जिम्मेदारी पांचवें नंबर पर उतरे सूर्यकुमार और छठे नंबर पर उतरे शिवम दुबे पर थी, लेकिन दोनों फेल रहे।

सूर्यकुमार 15 रन और दुबे 12 रन बनाकर आउट हुए। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में चल रहे सरफराज ने पंजाब के कप्तान अभिषेक के एक ओवर में 6,4,6,4,6,4 लगाकर बाउंड्रीज की बरसात कर दी और 30 रन बटोरे। सरफराज ने साथ ही 15 गेंद में अर्धशतक भी जड़ा और 20 गेंद में सात चौके और पांच छक्के की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। सरफराज के नाम विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। सरफराज के अलावा मुंबई कप्तान श्रेयस अय्यर ने 34 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रन की पारी खेली। पंजाब के 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक वक्त मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 191 रन था। इसके बाद टीम 26.2 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। टीम ने 25 रन बनाने में आखिरी छह विकेट गंवा दिए।

बीसीबी ने दूसरी बार आईसीसी को पत्र लिख मैच श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई

नई दिल्ली। बीसीबी ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर आईसीसी को दूसरी बार पत्र लिखा है। बीसीबी ने भारत में सुरक्षा पर चिंता जाहिर की और क्रिकेट की वैश्विक संस्था से टी20 विश्वकप में अपने मुकाबले श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई। सूत्र के हवाले से कहा, खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल से बातचीत के बाद बीसीबी ने एक बार फिर आईसीसी को पत्र भेजा है। आईसीसी सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बारे में जानना चाहता था और बीसीबी ने इसका उल्लेख किया है। हालांकि, उन्होंने पत्र के विशिष्ट विवरणों पर विस्तार से चर्चा नहीं की। आईसीसी ने अभी तक इस पर चुप्पी साध रखी है और बीसीबी से पूछा है कि सुरक्षा को लेकर उसकी क्या आशंकाएं हैं। समझा जाता है कि बीसीबी खुद इस मसले पर बंटा हुआ है। बोर्ड का एक गुट नजरूल के कट्टर रवैये का पक्षधर है तो दूसरा गुट आईसीसी और बीसीसीआई से बातचीत का विकल्प खुला रखना चाहता है।

भाजपा ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी : राहुल

नेता प्रतिपक्ष का भाजपा पर तीखा हमला, बोले- देशभर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों से लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार पर एक बार फिर जमकर हमला बोला है। एक दिन पहले जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्रंप के टैरिफ को लेकर कड़ा निशाना साधा था। वहीं अब एक्स पोस्ट के जरिए भाजपा शासित राज्यों पर सिलसिलेवार हमला किया है।

कांग्रेस सांसद ने शुक्र वार को अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के साथ सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में ऊपर से नीचे तक फैल चुका है।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, इनके सिस्टम में गरीब असहाय, मजदूर और मध्यमवर्ग की जिंदगी सिर्फ आंकड़ा है और विकास के नाम पर वसूली-तंत्र चल रहा है। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया – लेकिन सवाल आज भी वही है= सत्ता का संरक्षण भाजपा के किस वीआईपी को बचा रहा है? कानून सबके लिए बराबर कब होगा?

यूपी से लेकर इंदौर तक गंदे पानी से लोग बीमार

उन्होंने यूपी और इंदौर का मुद्दा उठाते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड में भी पूरा देश देख चुका है कि सत्ता के गुरूर में अपराधियों को कैसे बचाया गया और पीड़िता को न्याय के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ी। इंदौर में जहरीला पानी पीकर मौतें हों या गुजरात-हरियाणा-दिल्ली तक काले पानी और दूषित सप्लाई की शिकायतें - हर तरफ बीमारियों का डर है।

पर्वत से लेकर सड़क तक में लूट मची है

हालिया अरावली पर्वत माला को लेकर उपजे विवाद पर कांग्रेस सांसद ने कहा, राजस्थान की अरावली हो या प्राकृतिक संसाधन - जहां-जहां अरबपतियों का लालच और स्वार्थ पहुंचा, वहां-वहां नियमों को रौंद दिया गया। पहाड़ काटे जा रहे हैं, जंगल उजाड़े जा रहे हैं - और जनता को बदले में मिल रहा है। धूल, प्रदूषण और आपदा। खांसी के सिरप से बच्चों की मौतें, सरकारी अस्पतालों में नवजातों को मारते चूहे, सरकारी स्कूलों की गिरती छतें - ये लापरवाही नहीं, भ्रष्टाचार की सीधी मार है। पुल गिरते हैं, सड़कें धंसती हैं, ट्रेन हादसों में परिवार मिट जाते हैं और भाजपा सरकार हर बार वही करती है। कांग्रेस के दिग्गज नेता ने पीएम मोदी को घेरते हुए कहा, मोदी जी का डबल इंजन चल रहा है - लेकिन सिर्फ अरबपतियों के लिए। आम भारतीय के लिए ये भ्रष्टाचार की डबल इंजन सरकार विकास नहीं, तबाही की रफ्तार है - जो हर दिन किसी न किसी की जिंदगी कुचल रहा है।

उथल-पुथल भरे दौर में पहुंच गए हैं भारत-अमेरिका संबंध : जयराम

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ते तनाव को उजागर करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को अत्यंत उथल-पुथल भरे दौर से गुज़रने वाला बताया। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे दौर की जीत के दौरान व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले लोगों में प्रधानमंत्री भी शामिल थे। एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि ट्रंप के दूसरे दौर में व्हाइट हाउस पहुंचने वाले पहले लोगों में प्रधानमंत्री के शामिल होने के बावजूद भारत-अमेरिका संबंध अत्यंत उथल-पुथल भरे दौर से गुज़र रहे हैं। जयराम ने आगे विधायी और राजनयिक घटनाक्रमों की ओर भी इशारा किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे भारत की स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। राज्यसभा सांसद रमेश ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम एक विधेयक पेश कर रहे हैं, जिसके तहत रूस के साथ भारत के व्यापारिक और अन्य संबंधों के कारण उस पर व्यापक नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इससे पहले, सीनेटर बर्नी मोरेनो ने एक विधेयक पेश

किया था, जिसमें आउटसोर्सिंग भुगतान करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर 25त्न कर लगाने का प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री के तुष्टीकरण वाले बयानों के बावजूद, हर दिन एक नई चुनौती है। इससे पहले, 6 जनवरी को, जयराम रमेश ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव को अमेरिकी हस्तक्षेप ने रोक दिया था। उन्होंने बताया कि 10 मई, 2025 को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से संपर्क होने के बाद संघर्ष रुका था।

ईरान में आक्रोश बढ़ा, खामनेई-सेना बंधक इंटरनेट बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान। ईरान में आक्रोश की चिंगारी उस मुकाम तक पहुंच गई है जहां से वापसी का रास्ता नजर नहीं आ रहा है। भयावह तस्वीरें ईरान से निकल कर सामने आ रही हैं। खामने के खिलाफ लगातार नारेबाजी की जा रही है। इसके साथ चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं।

एक तरफ सेना के मुख्यालयों पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा जमा लिया है तो दूसरी तरफ पूरे ईरान में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई है और जो एयरबेस हैं उन्हें बंद इंटरनेट और दूरसंचार ठप कर दिया गया है। यहां तक कि चारों तरफ आगजनी और बवाल की तस्वीरें निकल कर सामने आ रही है और खामनेई बुरी तरह फंसते हुए नजर आ रहे हैं। आपको बता दें, कई जगह से तो ऐसी तस्वीरें निकल कर सामने आई हैं, जहां सेना के जवानों ने इन प्रदर्शनकारियों का साथ देना शुरू कर दिया है। यानी कि अब सेना खुद ईरान की सेना खामने को घेरते हुए नजर आ रही है और चारों तरफ से खामने घेर चुके हैं। खबर यह भी है कि खामने किसी भी वक्त देश छोड़कर भाग सकते हैं और उन्हें रूस शरण दे रहा है। इस वक्त जो हालात ईरान के नजर आ रहे हैं। इस्लामिक शासन खत्म होता नजर आ रहा है। ईरान के निर्वासित युवराज के आह्वान पर तेहरान और देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शनकारियों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद बृहस्पतिवार रात को देश में इंटरनेट और टेलीफोन लाइन काट दी गई।

कुत्तों से जुड़े नियम मौजूद, कोर्ट दखल न दे : सिंघवी

सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले में लगातार तीसरे दिन सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से इस मामले में दखल न देने की अपील की।

एसीजीएस नाम की संस्था की तरफ से दलील दे रहे सिंघवी ने कहा कि यह मामला अब सिर्फ कुत्तों और इंसानों के बीच का नहीं रहा, बल्कि इसमें संविधान के कुछ बुनियादी सिद्धांत जुड़े हुए हैं। उन्होंने पहला तर्क

यह दिया कि इस विषय पर कानून और नियम पहले से मौजूद हैं। ऐसे में अदालत का हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। जब संसद जानबूझकर दखल नहीं दे रही है तो वहां अदालत को भी नहीं जाना चाहिए। सिंघवी ने आगे कहा कि एमीकस क्यूरी (अदालत के सलाहकार) अच्छे तो होते हैं लेकिन वे कानून के सलाहकार होते हैं। किसी सब्जेक्ट के एक्सपर्ट नहीं। ऐसे मामलों में डोमेन एक्सपर्ट्स (जैसे पशु, पर्यावरण या स्वास्थ्य विशेषज्ञ) को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने अरावली केस का उदाहरण दिया, जहां पहले बनी समिति में ज्यादातर अफसर थे एक्सपर्ट नहीं। इसी वजह से उस फैसले पर दोबारा विचार करना पड़ा। इस मामले पर अब अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी।

दिल्ली में सर्दी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड बारिश की वजह से बढ़ी ठिठुरन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बारिश के साथ ठंड ने इस सीजन के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिल्ली में सबसे कम न्यूनतम तापमान शु क्र वार को 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में 1 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री, 4 दिसंबर को 5.6 डिग्री और 5 दिसंबर को भी 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लेकिन 2026 में अब तक का सबसे ठंडा दिन 8 जनवरी को साबित हुआ है।

दिल्ली एयरपोर्ट स्थित पालम वेधशाला में आज न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली नोएडा, गाजियाबाद में सुबह के वक्त कई एरिया में हल्की बारिश बूंदाबांदी रिकॉर्ड की गई है.दिल्ली में अक्षरधाम, नोएडा फिल्म सिटी, महामाया फ्लाईओवर जैसे इलाके शामिल है।

कपसाड़ कांड : सपा विधायक को गांव जाने से रोका

दलित महिला की हत्या और नाबालिग बेटी के अपहरण पर योगी सरकार पर तीखा प्रहार, धरने पर बैठे विधायक, छावनी बना क्षेत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ के सरधना थाना सरधना क्षेत्र के गांव कपसाड़ में दलित महिला की हत्या और नाबालिग बेटी के अपहरण के मामले को लेकर हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। इसी बीच सरधना विधायक अतुल प्रधान जब पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें गांव के बाहर ही रोक दिया। सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देकर पुलिस ने आगे बढ़ने नहीं दिया, जिससे मौके पर हंगामा हो गया।

विधायक को रोके जाने के दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने अतिरिक्त बल बुला लिया। माहौल गर्माने के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया। पुलिस कार्रवाई से नाराज विधायक अतुल प्रधान मौके पर ही धरने पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। विधायक ने आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार से मिलने से रोका जाना गलत है और यह सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी और अपहृत नाबालिग की बरामदगी नहीं होती, वह पीछे नहीं हटेंगे।

गांव के सभी रास्ते सील, बाहरी लोगों की एंट्री बंद

इधर हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने गांव कपसाड़ के चारों ओर से रास्ते सील कर दिए हैं। गांव में भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात की गई है। किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार मौके पर डटे हुए हैं।

मांगों पर अड़े परिजन

पीड़ित परिजन अब भी आरोपियों की गिरफ्तारी और अपहृत नाबालिग बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग पर अड़े हुए हैं। परिजनों ने महिला का अंतिम संस्कार करने से साफ इंकार कर दिया है। पुलिस और प्रशासन लगातार वार्ता कर स्थिति संभालने की कोशिश में जुटे हैं।

आरोपियों पर हो बुलडोजर की कार्रवाई : योगेश वर्मा

समाजवादी पार्टी के नेता योगेश वर्मा ने इस घटना को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि यह घटना बहुत दर्दनाक घटना है. सरकार

को सोचना पड़ेगा. इस घटना को लेकर पूरा दलित समाज परेशान है कि इनको सबक सिखाना पड़ेगा और सरकार को एक्शन लेना होगा। जिस तरह मां की दर्दनाक हत्या की और बेटी को उठाकर ले गए..ये जंगल राज है। इनको रोकना पड़ेगा. अब तक तो प्रशासन को बुलडोज़र लेकर भेज देना चाहिए. वैसे तो छोटी सी बात पर बुलडोज़र भेजते हैं और दलित समाज पर जब अत्याचार होता है तब इनका बुलडोजर नहीं निकल पाता। उन्होंने का कि मैं अपने समाज से कहना चाहता हूं कि हम सबको एक होना पड़ेगा।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा